भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 15 सं. 11 नवंबर 2023

जनजातीय दिवस

भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती पर 15 से 26 नवंबर 2023 तक भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और उसके संस्थानों द्वारा तीसरा जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया।

अनुक्रमणिका

	पृ.सं.
जनजातीय दिवस	01
संविधान दिवस	01
मिशन लाइफ (LiFE) के अंतर्गत की गई गतिविधियाँ	02
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
परामर्शी कार्य	03
प्रदर्शनी में भागीदारी	03
वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत की गई गतिविधियाँ	04
कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
समझौता ज्ञापन	06
प्रकृति कार्यक्रम	07
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	08
राजभाषा गतिविधियाँ	09
विविध	09
मानव संसाधन समाचार	09

संविधान दिवस

भा.वा.अ.शि.प. और उसके संस्थानों द्वारा 26 नवंबर 2023 को भारतीय संविधान दिवस मनाया गया।

मिशन लाइफ (LiFE) के अंतर्गत की गई गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा गोड्डा, झारखंड में वन अधिकारियों के लिए लाख की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लाख की खेती पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा नारकंडा में पारंपरिक जड़ी–बूटियों और औषधीय पौधों पर व्याख्यान दिया गया।

पारंपरिक जड़ी–बूटियों और औषधीय पौधों पर व्याख्यान

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

केन्द्रीय विद्यालय 10 जोन की 152 छात्राओं को मिशन लाइफ के बारे में जागरूकता व्याख्यान दिया गया।

केन्द्रीय विद्यालय के 10 जोन की छात्राओं को जागरूकता व्याख्यान

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. द्वारा विभिन्न स्कूली छात्रों को मिशन लाइफ से संबंधित जागरूकता सामग्री वितरित की गई।

मिशन लाइफ से संबंधित जागरूकता सामग्री का वितरण

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिशद्, देहरादून

भा.वा.अ.शि.प. कर्मचारी फेंकी गई प्लास्टिक की बोतलों को गमलों के रूप में उपयोग करने को प्रेरित करते हैं।

प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग गमलों के रूप में किया जा रहा है

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. द्वारा मिशन लाइफ पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया और कैसफोस, बर्नीहाट, असम के 47 राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा शपथ ली गई।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. में मिशन लाइफ पर संवेदीकरण कार्यक्रम और कैसफोस, बर्नीहाट, असम के 47 राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतिज्ञा ली गई

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दूध और पेय पदार्थों में जंगली रूप से उगाए गए *पुनिका ग्रैनेटम* से प्राप्त प्राकृतिक रंग की स्थिरता की जांच की गई और इन उत्पादों में उपयोग के लिए इसे स्थिर पाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- *पाइनस रॉक्सबर्घी* के गिरे हुए पिरूल पर *ट्राइकोडर्मा एस्पेरेलम* का वृहद् संरोप सफलतापूर्वक उत्पादित किया गया। *ट्राइकोडर्मा एस्पेरेलम* विभिन्न प्रकार के *फाइटोपैथोजेन* के विरुद्ध महत्वपूर्ण कवकरोधी गुण प्रदर्शित करता है। पिरूल पर इसकी खेती से दो उद्देश्य पूरे होंगे: वन अपशिष्ट को जैव कीटनाशक फार्मूलेशन में बदलना और वनाग्नि की रोकथाम के लिए पिरूल की उपलब्धता को कम करना।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- *एक्विलारिया मैलेक्सेंसिस* में स्थूण का उपयोग करके प्रवर्धन तकनीक का अनुकूलन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- माइक्रोआरएनए (miRNAs) 21–24 न्यूक्लियोटाइड लंबे नॉनकोडिंग अणु हैं जो पौधों में जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करते हैं। *सैंटालम एल्बम* में सेस्क्यूटरपीन बायोसिंथेसिस मार्ग को विनियमित करने में miRNA की भूमिका की जांच काष्ठ ट्रांसक्रिप्टोम और छोटे आरएनए डेटासेट के एकीकृत विश्लेषण का उपयोग करके की गई। इसने 12 कुलों से संबंधित 69 miRNA सदस्यों का अनुमान लगाया, जिन्होंने सेस्क्यूटरपीन मार्ग से 12 अनुलेखों को लक्षित किया, जिसमें अधिकतम 24 miRNAs साइटोक्रोम P450 रिडक्टेस को विनियमित करते थे, इसके बाद सेसक्विसाबियानेन सिंथेज़ 1, जिसे 23 miRNAs द्वारा लक्षित किया गया। यह अध्ययन जीनस सैंटलम में सेस्क्यूटरपीन मार्ग जीन के पोस्ट–ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में पहली महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और चंदन में सगंध तेल उत्पादन को बढ़ाने के लिए मेटाबोलाइट इंजीनियरिंग में एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।

- लक्ष्य प्रोटीन, एंजियोटेंसिन कनवर्टिंग एंजाइम–2 (एसीई2), ट्रांस मेम्ब्रेन प्रोटीज सेरीन 2(टीएमपीआरएसएस2), 3सी–लाइक प्रोटीज़ (3सीएलप्रो), पपेन लाइक प्रोटीज़ (पीएलप्रो), आरएनए डिपेंडेंट आरएनए पोलीमरेज़ (आरडीआरपी) के विरूद्ध पहचाने गए एंटीवायरल यौगिकों *बुफोटेलिन, कोल्सीसिन, स्क्लारिनिन, फाइटोल, α–एमिरिन, क्विनिन, गामा–सिटोस्टेरॉल,ल्यूपोल, कैम्पेस्टेरोल* और *स्टिग्मास्टेरोल* के आण्विक डॉकिंग अध्ययन ने *α–एमिरिन* को सबसे संभावित यौगिक के रूप में प्रकट किया। इसका डॉकिंग स्कोर प्रोटीन 3सीएलप्रो के विरूद्ध –13.4 और टीएमपीआरएसएस2 के विरूद्ध –11.8 था। स्टिग्मास्टेरोल में 4 लक्ष्य प्रोटीन यथा एसीई2, 3सीएलप्रो, पीएलप्रो और आरडीआरपी के विरूद्ध मजबूत डॉकिंग स्कोर था। परिणामों के आधार पर, यह निष्कर्ष निकाला गया कि स्टिग्मास्टेरोल एंटीवायरल गतिविधि के लिए आशाजनक लीड यौगिक हो सकता है।

परामर्शी कार्य

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून

- विभिन्न वैज्ञानिक परामर्श परियोजनाओं पर कार्य किया गया और इस अवधि के दौरान संबंधित एजेंसियों को निम्नलिखित रिपोर्टें सौंपी गईं:

प्रस्तुत रिपोर्टः

- डब्ल्यूसीएल की न्यू माजरी यूजी टू ओसी कोयला खदान की पर्यावरण ऑडिट रिपोर्ट मेसर्स सीआईएल को प्रस्तुत की गई।
- गौतमखानी ओसी कोयला खदान के खनित और आसपास के क्षेत्रों का पारि–पुनर्स्थापन अध्ययन एससीसीएल, हैदराबाद को प्रस्तुत किया गया।
- श्री आर प्रवीण चंद्रा, मेसर्स ईआरएम ग्रुप ऑफ कम्पनीज, चित्रदुर्ग, कर्नाटक की जॉन लोह अयस्क खदान (एसएल सं. 2294) में पुनर्ग्रहण और पुनर्वास (आर एंड आर) योजना गतिविधियों का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, मेसर्स श्री आर प्रवीण चंद्रा, ईआरएम ग्रुप ऑफ कम्पनीज को प्रस्तुत किया गया।
- कुटेहर एचईपी (240 मेगावाट) की संबोधित जैव विविधता संरक्षण और वन्यजीव प्रबंधन योजना जेएसडब्ल्यू एनर्जी (कुटेहर) लिमिटेड को प्रस्तुत की गई।

प्रदर्शनी में भागीदारी

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. ने जीकेवीके कैंपस बेंगलुरु में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला 2023 में एक प्रदर्शन स्टॉल लगाकर भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने कृषि मेला 2023 में एक स्टॉल लगाया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 1 नवम्बर 2023 को एएयू–असम चावल अनुसंधान संस्थान, तीताबर द्वारा आयोजित 'किसान मेले' में एक स्टॉल लगाया और संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने तीताबर में किसान मेला में स्टॉल लगाया

वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत गतिविधियाँ

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने 16 नवम्बर 2023 को औषधीय पौधे ***बर्जीनिया सिलियाटा, एजूगा इंटीग्रिफोलिया, पिक्रोरिजा कुर्रोआ, वेलेरियाना जटामांसी, पोडोफाइलम हेक्सांड्रम, एंजेलिका ग्लॉका, प्लांटैगो मेजर, एकोरस कैलमस, बिस्टोर्टा एफिनिस*** आदि के नवोद्भिद वितरित किए।
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख के एनसीसी के पंद्रह वॉलंटियर्स ने 22 नवंबर 2023 को वन विज्ञान केंद्र सह क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, जगतसुख, मनाली, कुल्लू हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। उन्हें कारू, पतीश, चोरा और वनक्कडी जैसी विभिन्न औषधीय जड़ी–बूटियों की खेती और उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, उन्हें पर्यावरण संरक्षण (मिशन लाइफ), अमृतसरोवर योजना और वनीकरण के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख के एनसीसी के 15 वॉलंटियर्स ने वन विज्ञान केन्द्र, जगतसुख, मनाली का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने औषधीय पादप के नवोद्भिद वितरित किए

कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

1	वनाग्नि प्रबंधन पर राष्ट्रीय सहयोगात्मक योजना	29 नवम्बर 2023	कार्यशाला में अधिकारियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, पीएचडी के छात्रों, परियोजना कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान द्वारा ''वनाग्नि प्रबंधन पर राष्ट्रीय सहयोगात्मक योजना'' के अंतर्गत एक परामर्शी कार्यशाला आयोजित की गई

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

2	अनुसंधान परियोजना समीक्षा बैठक (योजना, ईएपी एवं एआईसीआरपी)	30 नवम्बर 2023	परियोजनाओं के सभी वैज्ञानिक/पीआई

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

3	हिंदी कार्यशाला	21 नवम्बर 2023	निदेशक, प्रमुख एवं अनुभाग प्रभारी तथा सहायक निदेशक (राजभाषा)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

1	प्लाईवुड निर्माण	06 से 10 नवम्बर 2023	प्लाइवुड उद्योगों और व.अ.सं. के प्रभागों के प्रमुख, व.अ.सं. के अधिकारी एवं वैज्ञानिक और व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय के छात्रों सहित लगभग 20 प्रतिभागी।
2	आर–सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर	20 से 24 नवम्बर 2023	तकनीकी कर्मचारियों, पीएचडी के छात्रों, परियोजना कर्मचारियों ने प्रशिक्षण/कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

3	महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेतीः ग्रामीण आय के लिए विविधीकरण और अतिरिक्त स्रोत का एक विकल्प	06 से 08 नवम्बर 2023	30 इको टास्क फोर्स अधिकारी, वैद्य, स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन, आयुर्वेदिक डॉक्टर, स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षण कर्मचारी, समाचार पत्र संवाददाता
4	वानिकी और महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों का वन संवर्धन	20 से 25 नवम्बर 2023	जम्मू–कश्मीर लाइट इन्फैंट्री और डोगरा रेजिमेंट के इको टास्क फोर्स के 40 अधिकारी और सैनिक
5	वानिकी पद्धतियों में जैव उर्वरकों और जैव कीटनाशकों का अनुप्रयोग	22 से 24 नवम्बर 2023	30 हितधारक अर्थात् इको टास्क फोर्स, बागवानी और कृषि विभाग, हिमॉर्ड ऑर्गेनिक्स, आईएआरआई, शिमला और ग्राम पंचायत पुजाराली के सदस्य
6	वन पारिस्थितिकी प्रणालियों में बीज लक्षण और मृदा बीज बैंक डायनेमिक्स वन जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रभाव	30 नवम्बर 2023	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं. के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, अनुसंधान कर्मचारियों सहित 45 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा "प्लाईवुड निर्माण" पर पांच दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं. शिमला द्वारा महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

7	काष्ठ प्रौद्योगिकी	01 से 02 नवम्बर 2023	केसफोस, कोयंबटूर के 55 प्रशिक्षु राज्य वन सेवा अधिकारी
8	बांस प्रसंस्करण और उपयोजन	06 से 08 नवम्बर 2023	32 उद्यमी, शोधकर्ता, शिक्षाविद, किसान, छात्र
9	काष्ठ संशोषण और संरक्षण पर अल्पकालिक प्रशिक्षण	20 से 24 नवम्बर 2023	तमिलनाडु वन विभाग के 22 वनपाल और रेंज वन अधिकारी।
10	प्रासंगिक भारतीय मानकों के अनुसार प्लाइवुड, ब्लॉक बोर्ड, रेज़िन और फ्लश डोर।	24 नवम्बर 2023	काष्ठ आधारित पैनल उत्पाद उद्योगों के 15 गुणवत्ता नियंत्रण कर्मी।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

11	जैवउर्वरक उत्पादन पर कौशल विकास प्रशिक्षण	01 से 05 नवम्बर 2023	जोरहाट के जेबी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के 35 बीएससी छात्रों ने भाग लिया।
12	बांस पौधशाला प्रबंधन के विशेष संदर्भ में पौधशाला प्रबंधन	6 नवम्बर 2023	दिनभर चले कार्यक्रम में 30 ग्रामीणों ने भाग लिया
13	बांस और अन्य वन आधारित आजीविका के अवसर	20 नवम्बर 2023	माजुली से 12 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं द्वारा जैवउर्वरक उत्पादन पर एक कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं द्वारा बांस पौधशाला प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

14	जैव विविधता संरक्षण एवं प्रकृति शिक्षा	07 से 09 नवम्बर 2023	कोयंबटूर जिले के सरकारी स्कूलों के विज्ञान के 30 शिक्षक

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

15	गोड्डा वन प्रमंडल में "लाह उत्पादन" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	02 नवम्बर 2023	20 गांवों के 51 किसान

समझौता ज्ञापन

- शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर और केन्द्रीय लुगदी एवं कागज़ अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर के बीच 21 नवंबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. और सीपीपीआरआई, सहारनपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट, असम ने 3 नवंबर, 2023 को शिबसागर गर्ल्स कॉलेज, शिवसागर, असम के वनस्पति विज्ञान विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस पर वैज्ञानिकों, अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं. के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी और वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रमुख श्रीमती निबेदिता बरुआ ने हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं. और शिबसागर गर्ल्स कॉलेज, जोरहाट के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- सागौन के लिए ऊतक संवर्धन प्रोटोकॉल के वृहद बहुगुणन के लिए भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. और देवलीला बायोटेक, रायपुर, हाईफाई बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, सेलम और श्री अदित्य बायोटेक, बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. ने युवाक्षेत्र इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (वाईआईएमएस), मुंडूर, केरल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन अनुसंधान सहयोग पर केंद्रित है, छात्रों को परियोजनाएं लेने के लिए प्रोत्साहित करता है और अनुकूलित प्रशिक्षण के अवसर सुनिश्चित करता है।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- केवी, बनाड़, जोधपुर के 15 शिक्षकों के साथ 346 छात्रों (सातवीं, नौवीं, नौवीं और बारहवीं) के एक समूह ने 6 और 8 नवंबर 2023 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. के प्रस्तुति केंद्र का दौरा किया। छात्रों को संस्थान के अनुसंधान और नीम की पत्तियों से खाद बनाने की प्रक्रिया पर एक लघु वृत्तचित्र दिखाया गया।
- केन्द्रीय विद्यालय, नंबर 1, सेना, रातानाडा, जोधपुर के 110 छात्रों ने 7 नवंबर 2023 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. का दौरा किया और छात्रों को सतत विकास पर व्याख्यान दिए गए।
- पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ, जोधपुर के 4 शिक्षकों के साथ 115 छात्रों (कक्षा 9 से 10) के एक समूह ने 9 नवंबर 2023 को प्रस्तुति केंद्र, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. का दौरा किया। छात्रों ने संस्थान की वानिकी अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- दिनांक 20/11/2023 को प्रकृति एवं पी. एम. श्री योजना के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय नंबर 1, सेना, केंट सैन्य क्षेत्र, जोधपुर के लगभग 1500 छात्रों के समूह को "सतत विकास" पर एक व्याख्यान दिया गया।

केन्द्रीय विद्यालय जोधपुर के छात्रों को सतत विकास पर व्याख्यान दिया गया

- केन्द्रीय विद्यालय, बीएसएफ जोधपुर, पी.एम. श्री के.वी., जलापी छावनी, बाड़मेर और पी.एम. श्री के.वी., एयरफोर्स, जोधपुर के 4 शिक्षकों के साथ 435 छात्रों के एक समूह ने 21 और 22 नवंबर 2023 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. के प्रस्तुति केंद्र का दौरा किया। छात्रों को संस्थान के अनुसंधान पर एक लघु वृत्तचित्र दिखाया गया और उन्होंने संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय विद्यालय, बीएसएफ जोधपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. जोधपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 22 नवंबर 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जगतसुख वन विज्ञान केंद्र सह क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, जगतसुख, मनाली, कुल्लू हिमाचल प्रदेश के एनसीसी वालंटियर्स के 15 छात्रों को हर्बल पौधों और पर्यावरण संरक्षण के बारे में अवगत कराया गया।
- दिनांक 23 नवंबर 2023 को जीएसएसएस बेओलिया, शिमला के 70 छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में अवगत कराया गया।

जीएसएसएस जगतसुख के एनसीसी वालंटियर्स को वीवीके, मनाली में हर्बल पौधों और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- अक्षय अकादमी कोयंबटूर, भारतीय विद्या भवन पब्लिक स्कूल, अंजनूर, ओएनजीसी पब्लिक स्कूल, कराईकल, केंद्रीय विद्यालय, कोयंबटूर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुंदपलायम, वायु सेना स्कूल, सुलूर के लगभग 1485 स्कूली छात्रों ने क्रमशः 03, 16, 17, 22, 23, 28, 29 और 30 नवंबर 2023 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. का दौरा किया और छात्रों को पर्यावरण विज्ञान, मरुस्थलीय पारितंत्र, उपयोगी कीट, वृक्ष खेती का महत्व, भारतीय वन का अवलोकन, औषधीय पौधे और हर्बल उद्यान, वनों की कटाई और इसके प्रभाव, भारतीय वन और जैविक खेती पर व्याख्यान दिए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- दिनांक 17 नवंबर 2023 को केरल कृषि विश्वविद्यालय, वानिकी कॉलेज के 2 संकाय सदस्यों के साथ लगभग बी.एससी (वानिकी) के कॉलेज 34 छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. बैंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, जाइलेरियम, काष्ठ कर्मशाला, उन्नत काष्ठकर्म प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं. ने 15 और 17 नवंबर 2023 को सतत विकास पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शिक्षकों सहित केंद्रीय विद्यालय, हकीमपेट, तेलंगाना और केंद्रीय विद्यालय, बेगमपेट, तेलंगाना के 150 छात्रों के समूह ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं. ने सतत विकास पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- पीटीआई पिंजौर के 30 वनपाल प्रशिक्षुओं के एक समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. के प्रस्तुति केंद्र का दौरा किया। उन्हें संस्थान की शोध गतिविधियों के बारे में बताया गया। वनपालों को संस्थान के अनुसंधान पर एक लघु वृत्तचित्र दिखाया गया। प्रशिक्षुओं ने 6 नवंबर 2023 को शीशम क्लोन के वीएमजी का भी दौरा किया।

- दिनांक 16/11/2023 को, श्री बल्थाजार के न्यामुस्या, क्यूरेटर प्रभारी, राष्ट्रीय माजीमाजी मेमोरियल संग्रहालय, तंजानिया और श्री कुलदीप कोठारी, सचिव, रूपायन संस्थान ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. का दौरा किया। निदेशक ने संस्थान के इतिहास, अधिदेश, उद्देश्यों और अनुसंधान की मुख्य विशेषताओं के बारे में प्रस्तुति दी। गणमान्य व्यक्तियों ने प्रस्तुति केंद्र, शीशम क्लोन के वीएमजी और थार शोभा खेजड़ी परीक्षण का भी दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- दिनांक 3, 8, 9 और 28 नवंबर 2023 को फॉरेस्ट रेंजर कॉलेज बालाघाट (मध्यप्रदेश) के 49 वन रक्षक और पीएम केंद्रीय विद्यालय जबलपुर, ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, जबलपुर (मध्यप्रदेश), हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी जबलपुर के 367 छात्रों को उ.व.अ.सं. प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।

वन रेंजर कॉलेज बालाघाट (मध्यप्रदेश) के 49 वन रक्षकों और पीएम केन्द्रीय विद्यालय जबलपुर के 367 छात्रों को उ.व.अ.सं. प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम ने अनुसंधान और शिक्षा (एनजीओ) के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण डब्ल्यूसीटीआरई के साथ मिलकर दिनांक 04.11.2023 को एक ज्वारीय वॉक कार्यक्रम आयोजित किया। प्रतिभागियों को विभिन्न समुद्री जीवों, मैंग्रोव के महत्व और ज्वारीय प्रदूषण की जैव विविधता के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम में कुल मिलाकर 20 प्रतिभागी थे।

- दिनांक 22.11.2023 को श्री कश्यप जूनियर कॉलेज के 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए केंद्र दौरे की व्यवस्था की गई। उन्हें प्रस्तुति केंद्र दिखाया गया। केंद्र में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया गया। कुल 40 छात्रों ने केंद्र का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- कैसफोस, बर्नीहाट, असम के लगभग 47 राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 22 नवंबर 2023 को ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, वुड एनाटॉमी लैब वुड म्यूजियम और एडब्ल्यूटीसी का दौरा किया।

- दिनांक 02/11/2023 को का.वि.प्रौ.सं. और एनसीबीएस ने एक अंतर–संस्थागत चर्चा में भाग लिया, जहां, वन संरक्षण प्रभाग, का.वि.प्रौ.सं. के योगदान में से कुछ जब्त किए गए रक्त चन्दन के लठ्ठे की मौलिकता का पता लगाने के लिए देशी रोगाणुओं की भूमिका के महत्व, काष्ठ लक्षण और वन माइक्रोबायोम का निर्धारण करने में मृदा रोगाणुओं के महत्व पर चर्चा की गई।

कैसफोस, बर्निहाट, असम के राज्य वन सेवा प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- पश्चिम बंगाल फॉरेस्ट स्कूल, डॉव हिल, कर्सियांग ने 2 नवंबर 2023 को भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एनआईसी में अन्य हितधारकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- दिनांक 4 नवंबर 2023 को पलाश हॉल, वन विभाग रांची में वन विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में "वन उत्पादकता और आजीविका पर इसके प्रभाव के लिए वन नीतियों का विश्लेषण" विषय पर वन अधिकारियों के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

राजभाषा गतिविधियां

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 22 नवम्बर 2023 को "राजभाषा नियम/अधिनियम एवं त्रैमासिक रिपोर्ट" विषय पर एक दिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित एक दिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

विविध

- भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों द्वारा 16 अगस्त 2023 – 15 नवम्बर 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया।
- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., इपिर्टि परिसर और फील्ड स्टेशन, कोलकाता के सभी कर्मचारियों ने दिनांक 31.10.2023 को "राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ" ली। भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा दिनांक 01 नवम्बर 2023 को राज्य निर्माण दिवस, कर्नाटक राज्योत्सव बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करने के बाद कर्मचारियों और छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम अयोजित किया गया।

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री नरेन्द्र बाबू एस., भा.व.से. (केरल:2012), उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	28.11.2023

संरक्षक:
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान:
•केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
•वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
•यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।